पर्यावरण बचाने बच्चे गढ़ रहे माटी की प्रतिमाएं

बच्चों के साथ ही महिलाएं भी सीख रहीं माटी की गणेश प्रतिमा बनाना

भोपाल, 22 अगस्त. पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरुकता आई है. खासकर बच्चे और बड़े 27 अगस्त से शुरू होने वाले गणेशोत्सव के दौरान अपने घरों में भगवान गणेश जी की पीओपी से बनी प्रतिमा की जगह माटी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना करेंगे. इसके लिए बच्चे, महिलाएं शहर में कई जगह लगे शिविरों में माटी से भगवान गणेश जी की प्रतिमा बनाना सीख रहे हैं. साथ ही संकल्प ले रहे हैं कि पर्यावरण, नदी-तालाबों के पानी को दूषित होने से बचाने के लिए माटी की प्रतिमाएं भविष्य में भी विराजित करेंगे.

ऐसा ही प्रशिक्षण और संकल्प बच्चों और बड़ों ने राजधानी के रायसेन रोड स्थित दादाजी धाम मंदिर में शुक्रवार को म.प्र. जन अभियान परिषद एवं दादाजी धाम मंदिर संयुक्त आयोजन में लिया. यहां माटी गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल हुए. सभी ने रुचि लेकर माटी से गणेश बनाना सीखा. माटी गणेश बनाने का उद्देश्य है कि पीओपी की प्रतिमा की हटाना और उससे होने वाले प्रदूषण से नदी, तालाब के पानी को बचाना.

श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव, सचिव धनंजय बोरकर, कोषाध्यक्ष अखिलेश श्रीवास्तव ट्रस्टी जीवन नामदेव, अनीता अर्चना नामदेव, मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य रोड धुर्वे हर्ष, पंडित राजेन्द्र पलिया बताया सुधा दुबे, सुनील दुबे और रंजना शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं को गणेश जी की प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया. इसमें बच्चों ने रुचि लेकर गणेश प्रतिमा बनाईं. इस दौरान सभी को माटी की गणेश प्रतिमा बनाकर उसे अपने घर में गमले में विसर्जित करने की शपथ दिलाई गई. इस दौरान बच्चों ने कहा कि हम अगले बरस भी माटी के गणेश जी ही बनाएंगे और उसे घर में स्थापित करेंगे. साथ ही हम पर्यावरण को संरक्षित करेंगे. इस दौरान ट्रस्ट के द्वारा विशेषज्ञों का सम्मान और बच्चों को पुरस्कृत किया गया.

पुलिस परिवार ने भी बनाये पर्यावरण अनुकूल गणपति

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 22 अगस्त. इको फ्रेंडली गणेश मूर्ति बनाने एक कार्यशाला पुलिस परिवार कल्याण केंद्र में आयोजित की गई, इसमें पुलिस आला अफसरों के परिवार पुलिस पब्लिक स्कूल के बच्चे और दो महिला पुलिस अधिकारी असिस्टेंट कमांडेट श्रुति सिंह, डीएसपी पूजा पटेल शामिल हुईं. डीएसपी पूजा पटेल ने बताया कि पुलिस की तनावपूर्ण जिम्मेदारियों के बीच मिट्टी को छूना और उसे गणपति का स्वरूप देना उनके लिए बेहद सुकून भरा अनुभव रहा. कार्यशाला का संचालन डी.सी. मन्ना ने किया.

पाल समाज के मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन

भोपाल, 22 अगस्त. पाल समाज द्वारा राजधानी के स्मार्ट सिटी क्षेत्र में श्रीकृष्ण गोवर्धन मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया. भूमिपूजन कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि श्रीकृष्ण गोवर्धन मंदिर हमारे समुदाय के लिए एकत्रित होने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण स्थान होगा.

इस अवसर पर पाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री शैतान सिंह पाल, विधायक भगवानदास सबनानी नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, पार्षद बृजुला सचान, पार्षद आरती अनेजा, श्रीकृष्ण गोवर्धन मंदिर समिति अध्यक्ष महेन्द्र सिंह बघेल, भाजपा नेता समिति के सहसचिव विनोद पाल, अखिल भारतीय पाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र पाल, संभागीय अध्यक्ष व जिला मंत्री किसान मोर्चा ग्वालियर देवू पाल, मैडोरी सरपंच जागृति पाल, अर्जुन यादव, श्रीकृष्ण यादव, दिनेश पाल, रामसिया बघेल, रामस्वरूप पाल, घनश्याम पाल, मोतीलाल पाल, रामजी बघेल, शंकर पाल, राजेन्द्र पाल, उरजन सिंह पाल, खेमसिंह पाल, तेजसिंह पाल, सुखनंदन बघेल, ममता पाल, अनिता पाल एवं पाल समाज के गणमान्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे.

एक नजर में

राजधानी में सुंदरी प्रतियोगिता दिसंबर में

भोपाल. राजधानी में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुंदरी प्रतियोगिता मिस पानाश इंटरनेशनल का आयोजन 12 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा. इसका उद्देश्य देश-विदेश की महिलाओं को मंच देकर उनकी पहचान बनाना है. फैशन फेडरेशन अध्यक्ष अरुण शर्मा ने बताया कि इस ब्यूटी पेजेंट के लिए 18 से 45 वर्ष की सभी महिलाएं आवेदन कर सकती हैं. प्रतियोगिता में कोरिया, जापान, नेपाल, अफ्रीका और रूस की प्रतिभागियों के आने की संभावना है. इस आयोजन में जजों की टीम में शामिल होंगे कोरिया के स्टेट गवर्नर एवं इंडिया-कोरिया फ्रेंडशिप इंडस्ट्री एसोसिएशन के चेयरमैन ई यू डोन पार्क, अंतरराष्ट्रीय ब्यूटी जज सुजाता शर्मा, फिल्म निर्माता डॉ. संदीप मारवाह और कई वरिष्ठ आईएएस-आईपीएस अधिकारी. फेडरेशन निदेशक डॉ. नितिन वर्मा ने कहा कि इस प्रतियोगिता से प्रदेश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा. साथ ही अन्य राज्यों के युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे. सुंदरियों को कई क्वालीफाइंग राउंड पार करने होंगे. विजेताओं को अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की पहचान के साथ अनेक पुरस्कार दिए जाएंगे. डॉ. नितिन वर्मा ने बताया कि सेंट्रल ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स की मंदाकिनी सोसायटी, कोलार शाखा द्वारा सीएसआर गतिविधियों के तहत निःशुल्क डायलिसिस सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी.

आज से स्टार्टअप एवं उद्यमी महाकुंभ 2025

भोपाल (जूनियर रिपोर्टर). लघु उद्योग भारती मध्यप्रदेश द्वारा स्टार्टअप एवं उद्यमी महाकुंभ 2025 का आयोजन 23-24 अगस्त को गोविंदपुरा स्थित एम.एस.एम.ई. कन्वेंशन सेंटर मे किया जा रहा है. इस दो दिवसीय आयोजन मे प्रदेशभर से करीब 1000 उद्यमी शामिल होंगे. महाकुंभ के दौरान गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र मे बने लघु उद्योग भारती मप्र के नवीन प्रदेश कार्यालय भवन का लोकार्पण भी किया जाएगा. यह लोकार्पण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा द्वारा किया जाएगा. 24 अगस्त को उद्घाटन सत्र का विषय पंच परिवर्तन होगा, जिसमे मुख्य वक्ता डॉ. कृष्णगोपाल उद्यमियो को संबोधित करेंगे. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेशभर के उद्यमियो से संवाद करेंगे आयोजन में महिला उद्यमियों के प्रोत्साहन, स्टार्टअप्स की प्रदर्शनी, निवेशकों के साथ नेटवर्किंग, व्यवसाय विकास पर कार्यशालाए और नए उद्योगो की संभावनाओं पर विचार-विमर्श होगा लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों का कहना है कि यह महाकुंभ प्रदेश मे उद्यमिता और लघु उद्योगो को नई दिशा देने वाला साबित होगा.

150 लोगों ने शिविर में मधुमेह की जांच कराई

भोपाल (नवभारत प्रतिनिधि). पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक संस्थान और कायनात एनजिओ के सहयोग सेमधुमेह जागरुकता शिविर लगाया गया. शिविर में 150 से लोगों ने एक दिन में जांच कराई है. यह शिविर दो दिन के लिए लगा है. शिविर में लोगों को मधुमेह रोग से बचाव के बारे में बताया जा रहा है. डायबिटीज एक ऐसी समस्या है जिसका रोगी हर तीसरे घर में आसानी से मिल जायेगा. रोग लक्षण इतने आम हैं कि इस पर ध्यान जाना मुश्किल होता है. कई बार लम्बे समय तक पहचान नहीं हो पाती है, जो बाद में बड़ी समस्या को भी जन्म देता है. शहर भर में आयुष विभाग की इस योपजना के बढ़ते डायबिटीज के मरीजों को जागरूक कर इसके रोकथाम का प्रयास किया जा रहा है. जिसके तहत कैम्प लगाया गया है. लोक स्वास्थ्य पहल (पीएचआई), भोपाल के परियोजना प्रबंधक डॉ आशीष कुमार ने बताया कि यह कैम्प आयुष मंत्रालय द्वारा देश भर के अलग अलग जिलों में लगाया जाता है. इसी के तहत भोपाल के ग्रामीण अवं शहरी क्षेत्रों में समय समय पर हम अपना शिविर लगाकर लोगों को डायबिटीज जैसी बीमारियों के प्रति जागरूक करते हैं. शिविर के माध्यम से हम लोगों का शुगर टेस्ट करते हैं. इसके साथ ही आम समस्या जैसे सर्दी खांसी, जुखाम और बुखार सम्बन्धी बीमारियों के मरीज को भी देखते हैं और उन्हें निशुल्क दवा दी जाती है.

भारतीय ज्ञान परंपरा का लक्ष्य ब्रह्मज्ञान तक पहुँचना

आरएनटीयू में भारतीय ज्ञान परंपरा : मूल और विकास विषय पर संगोष्ठी

भोपाल, 22 अगस्त. रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल में मानविकी एवं उदार कला संकाय तथा संस्कृत प्राच्य भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा: मूल और विकास विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र सम्पन्न हुआ. विश्वविद्यालय के शारदा सभागार में आयोजित इस सत्र में विद्वानों ने भारतीय बौद्धिक परंपरा की जड़ों और उसके निरंतर विकास पर अपने विचार रखे.

कार्यक्रम के अध्यक्ष विवि के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अंतिम लक्ष्य ब्रह्मज्ञान तक पहुँचना है. उन्होंने आचार्य ए. सी. मजूमदार की कृति का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी परंपरा सतत्व ज्ञान की साधना पर आधारित है. भारतीय दार्शनिक दृष्टि ने उन सत्यों तक पहुँचने का मार्ग दिखाया, जहाँ आधुनिक विज्ञान अब प्रयोगों द्वारा पहुँच रहा है.

विशिष्ट वक्ता प्रो. गिरीश्वर मिश्र पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा ने कहा भारतीय ज्ञान परंपरा निरंतर प्रवाहित धारा है, जिसकी जड़ें वैदिक काल के पूर्व की सभ्यताओं में मिलती हैं. श्रुति परंपरा ने वेदों के संरक्षण में अहम भूमिका निभाई है. मुख्य अतिथि डॉ. भरत शरण सिंह अध्यक्ष निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की आत्मा भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है. उन्होंने इस परंपरा को शिक्षा प्रणाली के पुनर्निर्माण का आधार बताते हुए कहा कि भविष्य का भारत इसी दृष्टि से आगे बढ़ेगा.

हर चुनौती एक अवसर है : प्राची

केंद्रीय संयुक्त सचिव ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के टिप्स

भोपाल, 22 अगस्त. पं. सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (पीएसएससीआईवीई) भोपाल एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छह दिवसीय उद्यमिता एडवेंचर कैंप में शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की संयुक्त सचिव प्राची पांडेय ने विद्यार्थियों के सीखे गए कौशल और अनुभवों को जाना.

उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम ''परीक्षा पे चर्चा का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में लक्ष्य निर्धारण सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है. यदि लक्ष्य ही अस्पष्ट या अव्यावहारिक होंगे तो सफलता की दिशा तय करना संभव नहीं है. लक्ष्य सदैव आकांक्षी हों, ताकि वे हमें ऊँचाइयों की ओर ले जाएँ और साध्य हों, ताकि मेहनत और समर्पण के साथ उन्हें प्राप्त किया जा सके. उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी समझाया कि लक्ष्य प्राप्ति की राह में टीम वर्क, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन की विशेष भूमिका होती है. टीम का प्रत्येक सदस्य चाहे वह लीडर हो या कर्मचारी समान रूप से महत्वपूर्ण है. किसी भी बड़े उद्देश्य को पाने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक होता है.

उन्होंने कहा कि जीवन की हर घटना एक शिक्षा है. असफलताओं से घबराने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना ही सफलता का असली मंत्र है. हर चुनौती एक अवसर है, बशर्ते हम उसे स्वीकार करने और उसका समाधान ढूँढने का साहस रखें.

गुजरात समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक रंजीत कुमार (आईएएस) ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार का यह अभिनव प्रयोग है. प्रदेश स्तर पर भी अधिकांश विद्यालयों में इस तरह के कैंप आयोजित कराए जाएंगे. ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि उद्यमिता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, क्योंकि यह न केवल रोजगार सृजित करती है, बल्कि समाज और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में भी अहम योगदान देती है.

पहली बार राजकीय सम्मान के साथ देहदान

- **हॉस्पिटल संचालक राजेश गुप्ता की मां की बॉडी दान**
- **जीएमसी में देहदानी को दिया गार्ड ऑफ ऑनर**

भोपाल, 22 अगस्त. राजधानी भोपाल में देहदान करने वाली नेशनल हॉस्पिटल संचालक राजेश गुप्ता की मां रमा का 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर राजकीय सम्मान किया गया. भोपाल में यह पहला मौका है जब किसी देहदानी का ऐसा राजकीय सम्मान किया गया.

देहदान जैसे महान कार्य के लिए उन्हें न सिर्फ मेडिकल साइंस ने सराहा, बल्कि सरकार ने भी उन्हें राजकीय सम्मान देकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी. यह भोपाल का पहला मौका था जब किसी देहदानी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर अंतिम विदाई दी गई. दरअसल, 1 जुलाई 2025 को मध्य प्रदेश शासन ने देहदान और अंगदान करने वाले व्यक्ति को राजकीय सम्मान देने के निर्देश दिए गए थे.

डिप्टी सीएम ने दी श्रद्धांजलि

उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा देहदान सबसे बड़ा दान है. यह एक ऐसा कार्य है जो इंसान को मृत्यु के बाद भी जीवित रखता है. उन्होंने रमा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका यह फैसला आने वाली पीढ़ियों को चिकित्सा शिक्षा में अमूल्य योगदान देगा.

आज 20 इलाकों में बिजली कटौती

भोपाल, 22 अगस्त. बिजली वितरण कंपनी शनिवार 23 अगस्त को शहर के लगभग 20 इलाकों में मेंटनेंस करेगी. इस वजह से इन इलाकों में कुछ समय के लिए बिजली सप्लाई बंद रहेगी. शनिवार सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक मिनाल, गीत गणेश, आदित्य परिसर, दुर्गेश विहार, नैनागिरी, छत्रसाल, नरेला शंकरी, श्रवणकांत कॉलोनी, अर्चना कैम्पस, बालाजी नगर. सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक एमएलए रेस्ट हाउस, 1250 क्वार्टर, 5 नंबर स्टॉप, चार इमली, सुबह 10 से शाम 4 बजे तक भैंसाखेड़ी, आकाश गार्डन, माधव आश्रम में बिजली बंद रहेगी.

श्रीमान चोर ने हंसाया, दर्शकों को सोचने पर किया मजबूर

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय में नाटक का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 अगस्त. मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय में प्रस्तुत नाटक 'श्रीमान चोर' ने दर्शकों को खूब हंसाया और सोचने पर मजबूर किया. डारियो फो के प्रसिद्ध नाटक 'द वर्चुअस बर्गलर' पर आधारित इस नाटक को अभिषेक दुबे ने भारतीय परिवेश में ढालकर मंचित किया.

इस प्रस्तुति ने साबित किया कि व्यंग्य, हास्य और सटीक संवादों से रंगमंच न केवल मनोरंजन करता है, बल्कि समाज की गहरी सच्चाइयों को भी उजागर कर सकता है. नाटक के माध्यम से कलाकारों की प्रस्तुति ने सामाजिक जीवन में दोहरे चरित्र और वैवाहिक जीवन की सच्ची घटनाओं पर जोर दिया है. नाटक में एक चोर अमीर घर में चोरी करने पहुंचता है और वहां प्रेम प्रसंगों की उलझनों में फंस जाता है. गलतफहमियों, बेवफाई और अफरातफरी के बीच हास्यास्पद स्थितियां पैदा होती हैं. अंत में सभी अपनी-अपनी गलतियों को छिपाते हुए इसे महज गलतफहमी बताकर मामला निपटा देते हैं.

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन हमारा दायित्व : मिश्र

एआईटीटीटीआर में राष्ट्रीय कार्यशाला 'राजभाषा संवाद 2025' का आयोजन

भोपाल, 22 अगस्त. राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान में राष्ट्रीय कार्यशाला राजभाषा संवाद 2025 का आयोजन संस्थान परिसर में हुआ. कार्यशाला का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के संवर्धन, संसदीय प्रक्रिया में उसके उपयोग तथा वैश्विक पटल पर हिंदी की भूमिका पर मंथन करना था.

मुख्य अतिथि डॉ. रवीन्द्र शुक्ल, पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश (अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, हिंदी साहित्य भारती) ने कहा सम्पूर्ण संस्कृति हिन्दी के साथ ही जीवित रह सकती है. भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान, परंपराएं और जीवन मूल्यों की संवाहक है. प्रथम सत्र में देवी प्रसाद मिश्र, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, विश्व हिंदी परिषद ने कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों एवं मंत्रालयों में हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नीतिगत मार्गदर्शन प्रदान किया. साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे ने कहा यदि हम डिजिटल माध्यमों और वैश्विक मंचों पर हिंदी को सशक्त रूप से प्रस्तुत करें, तो यह निश्चय ही एक विश्वभाषा बन सकती है. संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी के कहा कि राजभाषा हिंदी के प्रति जागरुकता और सक्रियता ही इसे सशक्त बना सकती है. एनआईटीटीटीआर भोपाल निरंतर प्रयासरत है कि शासकीय कार्यों में हिंदी का अधिकतम उपयोग हो. कार्यशाला समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित ने बताया कि इस कार्यशाला का आयोजन देशभर के नराकास कार्यालयों के मध्य सहयोग एवं संवाद को सशक्त करने हेतु किया गया था. और संस्थान राजभाषा संवाद की श्रृंखला जारी रखेगा.

संत तुकाराम के जीवन से परिचित हुए दर्शक

भारत भवन में रंगोत्सव समारोह के तहत हुआ नाटक का मंचन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 22 अगस्त. मध्यप्रदेश रंगोत्सव की संगीतमय और सांस्कृतिक शाम शुक्रवार को संत तुकाराम के जीवन और उनके भक्ति दर्शन को समर्पित रही. भारत भवन के बहुरंगी मंच पर जब निर्देशक संजय मेहता के निर्देशन में नाटक संत तुकाराम का मंचन हुआ. नाटक की प्रस्तुति रंगशीर्ष संस्था भोपाल के कलाकारों ने दी.

इस दौरान सभागार भक्ति और अध्यात्म की अनुभूति से भर उठा. नाटक की शुरुआत ही संत तुकाराम के प्रसिद्ध अभंगों से हुई, जिसने दर्शकों को 17वीं शताब्दी के उस दौर में पहुँचा दिया जब महाराष्ट्र के इस महान संत ने भक्ति आंदोलन को नई दिशा दी थी. मंच पर कलाकारों ने सहज अभिनय, भावपूर्ण संगीत और लोकनाट्य शैली के मिश्रण से तुकाराम के जीवन, संघर्ष और उनके दिव्य दर्शन को जीवंत कर दिया. नाटक की सबसे बड़ी विशेषता इसकी संप्रेषणीयता रही. कलाकारों ने केवल तुकाराम का जीवनचरित प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि उनके विचारों की प्रासंगिकता को आज के समाज से जोड़कर भी दिखाया. संजय मेहता के निर्देशन ने नाटक को केवल ऐतिहासिक प्रस्तुति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे एक संवादशील कृति बनाया. दर्शक हर दृश्य के साथ स्वयं को तुकाराम की आध्यात्मिक यात्रा में सहभागी पाते रहे.

आयोजन | पत्रकारिता विश्वविद्यालय में सत्रारंभ कार्यक्रम अभ्युदय का समापन

ऐसी कहानियां लिखें जो मनोरंजन करे : रावल

भोपाल, 22 अगस्त. सिनेमा की विभिन्न विधाओं में लिखने वाले लेखक देश को देखने और समझने के बाद ही अलग-अलग विषयों का समावेश कहानियों में करते हैं. हमारे देश में कहानियों और उनके विषयों की कोई कमी नहीं है.

समाज में अलग-अलग दौर में फिल्मों की कहानियां कैसे लिखी गई हैं, इसे पिछले अनेक दशकों की फिल्मों को देखकर समझा जा सकता है. यह विचार शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के अभ्युदय के अंतिम दिन रुस्तम तथा इकबाल जैसी चर्चित फिल्मों के पटकथा लेखक विपुल के. रावल ने व्यक्त किए. सत्रारंभ के अंतिम दिन वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, बृजेश कुमार, बालकृष्ण एवं अदिति राजपूत ने विभिन्न सत्रों में विद्यार्थियों को सम्बोधित किया.

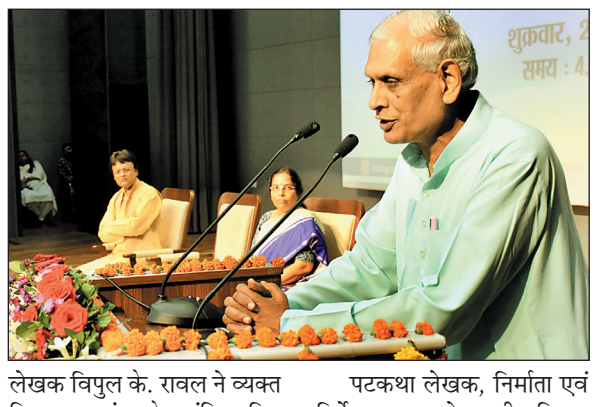

पटकथा लेखक, निर्माता एवं निर्देशक रावल ने भारतीय फिल्म उद्योग और वैश्विक सिनेमा के विकास की यात्रा पर चर्चा करते हुए फिल्म लेखन के क्षेत्र में आ रहे महत्वपूर्ण बदलावों को रियल लाइफ से जुड़े विषयों की कहानियों के साथ प्रस्तुत करते हुए लेखन एवं तकनीक के अन्तरसम्बन्धों पर चर्चा की. समापन सत्र में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष अशोक पांडे ने कहा कि अधिकार एवं कर्तव्य एक साथ होते हैं, सत्य को समाज के सामने बिना किसी रंग के रखना पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है. समाज के धर्म का पालन करना पत्रकारों का उत्तरदायित्व है इस अवसर पर कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि हमारे जीवन में कदम कदम पर हमें चौंकाता है. जीवन चमत्कृत करने वाली कई घटनाओं से भरा हुआ होता है.

एक अन्य सत्र में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने कहा कि आज डिजिटल मीडिया तेजी से बढ़ रहा है और इसने दूसरे माध्यमों को कड़ी प्रतिस्पर्धा दी है. उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से घबराने की जरूरत नहीं है. डिजिटल का बाजार बहुत बढ़ेगा इसके साथ ओरिजिनल कंटेंट की मांग बढ़ेगी, विद्यार्थी अपनी स्किल्स को बेहतर करने पर ध्यान दें. मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार बालकृष्ण ने बताया कि किस तरह गलत सूचनाओं ने मीडिया में फैक्ट चैकिंग की मांग बढ़ाई है.